Knowledgeable Research ***ISSN 2583-6633*** **Vol.02, No.12, July, 2024**
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

Knowledgeable Research
ISSN 2583-6633
Vol.02, No.12, July, 2024
http://knowledgeableresearch.com/

सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का अध्ययन

[1]डॉ0 मीना शर्मा एवं [2]अंजना गंगवार

[1]विभागाध्यक्षा एवं [2]शोधार्थिनी

शिक्षक शिक्षा विभाग एस0एस0 कॉलेज, मुमुक्षु आश्रम, शाहजहाँपुर।

Email: anjnagangwar83@gmail.com

****

सारांश

सरकारी और गैर–सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का अध्ययन एक महत्वपूर्ण विषय है। यह उनके परिवार के संदर्भ, सामाजिक संरचना, आर्थिक स्थिति, और प्रेरणात्मक वातावरण को समझने में मदद करता है। सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के परिवार अक्सर आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं, और उनका आधारभूत संबल आमतौर पर सरकारी योजनाओं पर निर्भर करता है, इन विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के परिवारों की सामाजिक संरचना अक्सर संगठित होती है, और उन्हें समाज में अधिक नेतृत्व और सामाजिक बदलाव का ज्ञान होता है,विद्यार्थियों के परिवारों में शिक्षा के प्रति अधिक समर्थन मिलता है, और इससे उनकी शिक्षा को समर्थन मिलता है, विद्यार्थियों के परिवारों में शिक्षा की महत्वपूर्णता को समझने का संदेश अक्सर अधिक गहनता से प्रचारित किया जाता है। गैर–सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के परिवार अक्सर सामाजिक रूप से विविधतापूर्ण होते हैं, और इससे विद्यार्थियों को अनुभवों की विविधता मिलती है, इन विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के परिवार आमतौर पर आर्थिक रूप से सुदृढ़ होते हैं, और इससे उनके पास अधिक संसाधन होते हैं, विद्यार्थियों के परिवारों में शिक्षा के प्रति उत्साह और समर्थन का स्तर उच्च होता है, और उन्हें अधिक स्वतंत्रता मिलती है अपने शिक्षा के संबंध में निर्णय लेने में, इन विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के परिवार विद्यार्थियों के अध्ययन में भागीदारी और समर्थन में अधिक आग्रही होते हैं। सरकारी और गैर–सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण की विभिन्नता और महत्व को समझा जा सकता है। शोध अध्ययन से प्राप्त निकर्ष – सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों के पारिवारिक वातावरण में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया, सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं के पारिवारिक वातावरण में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

Author Name: Dr. Meena Sharma and Anjana Gangwar
Received Date: 18.07.2024
Publication Date: 31.07.2024

Knowledgeable Research ***ISSN 2583-6633*** **Vol.02, No.12, July, 2024**
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

मुख्य शब्दः— *सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों, विद्यार्थियों एवं पारिवारिक वातावरण*
****

1. प्रस्तावना :—

विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का अध्ययन उनके परिवार के संरचना, संघटन, और विभिन्न आंकड़ों को विश्लेषण करके किया जाता है। यह अध्ययन उनके घरेलू संदर्भ, आर्थिक स्थिति, सामाजिक परिस्थितियाँ, और पारिवारिक मान्यताओं को समझने में मदद करता है। विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करने से शिक्षा निर्माताओं को विभिन्न पारिवारिक परिस्थितियों को समझकर शिक्षा के क्षेत्र में सुधार करने के लिए संदेश और नीतियों को तैयार करने में मदद मिलती है। इसके अलावा, यह अध्ययन शिक्षा नीतियों को समाजिक और आर्थिक समावेश की दृष्टि से विकसित करने में भी महत्वपूर्ण योगदान करता है।

सरकारी और गैर—सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों का पारिवारिक वातावरण विविधताओं में अलग—अलग हो सकता है। यह प्रभावित हो सकता है उनके कुल मौजूदा परिवारिक संरचना, सामाजिक वातावरण, आर्थिक स्तर, और क्षेत्रीय सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य से। सरकारी विद्यालयों में, विद्यार्थियों के परिवार अक्सर सामान्य आर्थिक दशा में होते हैं, और इसका असर उनके विद्यालयीन अनुभव पर भी होता है। ऐसे परिवारों में अक्सर विद्यार्थियों के लिए संसाधनों की कमी होती है, जैसे कि किताबें, विद्यालय के शुल्क, और शिक्षा संबंधी सामग्री। इसके अलावा, इन विद्यार्थियों के परिवारों में शैक्षिक अधिकारिता की जागरूकता भी कम होती है, जिससे विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति अधिक उत्साह नहीं मिल पाता है। दूसरी ओर, गैर—सरकारी विद्यालयों में, विद्यार्थियों के परिवार अक्सर आर्थिक रूप से अधिक स्थिर होते हैं और विद्यार्थियों को अधिक सामग्री और संसाधनों की पहुंच मिलती है। इन विद्यालयों के परिवारों की शिक्षा के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता भी अधिक होती है, जिससे विद्यार्थियों को शिक्षा की महत्ता का अधिक अनुभव होता है। समाज में स्थिति के अनुसार, विद्यार्थियों के परिवारों का वातावरण उनके शिक्षा में भिन्नता ला सकता है। यह भिन्नता उनकी शैक्षिक प्रदर्शन में भी प्रभाव डाल सकती है, जैसे कि किताबों और अन्य संसाधनों की कमी से उनके अध्ययन में बाधाएं हो सकती हैं। इस प्रकार, सरकारी और

Knowledgeable Research ***ISSN 2583-6633*** **Vol.02, No.12, July, 2024**
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

गैर–सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के परिवार का वातावरण उनकी शिक्षा प्रक्रिया और परिणामों पर सीधे असर डाल सकता है।

2. अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व :–

सरकारी और गैर–सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करना एक महत्वपूर्ण पहलू है जो शिक्षा नीति निर्माण और क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण योगदान करता है। पारिवारिक वातावरण का अध्ययन विद्यालयीन अनुभवों को समझने और विद्यार्थियों के उत्थान के लिए योजनाएं बनाने में सहायक होता है। प्राथमिक शिक्षा आधारभूत है और इसका महत्व विभिन्न पहलुओं में होता है। परंतु, अक्सर इसमें पारिवारिक वातावरण का अध्ययन नजरअंदाज हो जाता है। परिवार शिक्षा के महत्व का मुख्य स्रोत होता है, और उसका प्रभाव विद्यार्थियों के शैक्षिक सफलता पर अनिवार्य रूप से होता है। सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में, अध्ययनरत् विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करने से, शिक्षा नीति निर्माणकर्ताओं को उनके आर्थिक, सामाजिक, और पारिवारिक संदर्भ को समझने में मदद मिलती है। यह अध्ययन शिक्षा के संबंध में समाज की असमानताओं और सामाजिक न्याय को समझने में मदद करता है, जिससे सरकारी शिक्षा प्रणाली में सुधार किया जा सकता है। गैर–सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में, पारिवारिक वातावरण का अध्ययन शिक्षा की गुणवत्ता और प्रभाव को समझने में महत्वपूर्ण रोल निभाता है। यह अध्ययन विद्यार्थियों के परिवारों की आवश्यकताओं को समझकर, उन्हें उचित संसाधनों और समर्थन की प्राप्ति में मदद कर सकता है। इसलिए, सरकारी और गैर–सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का अध्ययन शिक्षा प्रणाली के विकास और उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान करता है।

3. सम्बन्धित शोध साहित्य का अध्ययन :–

माहेश्वरी, चतुर्वेदी और गुप्ता (2020), आसमा खातून (2021), समीता (2021), वेनलॉन्ग झाओ (2022), जेबा खान (2023)

Author Name: Dr. Meena Sharma and Anjana Gangwar
Received Date: 18.07.2024
Publication Date: 31.07.2024

Knowledgeable Research ***ISSN 2583-6633*** **Vol.02, No.12, July, 2024**
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

4. समस्या कथन :–

सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का अध्ययन

5. चरों का परिभाषीकरण :–

5.1 सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय :–

सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय एक ऐसा शैक्षिक संस्थान होता है जो सरकार द्वारा संचालित किया जाता है और निःशुल्क शिक्षा प्रदान करता है। ये विद्यालय आमतौर पर नगरों और गाँवों में स्थित होते हैं और बालिकाओं और लड़कों के लिए शिक्षा की सुविधा प्रदान करते हैं। इन विद्यालयों का मुख्य उद्देश्य एक समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली को सामाजिक और आर्थिक रूप से सहयोग प्रदान करके साकार करना होता है।

5.2 गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय :–

गैर–सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय अक्सर शिक्षा के क्षेत्र में उद्यमी और समर्थ व्यक्तियों द्वारा स्थापित किए जाते हैं, जो अपने समुदाय में शिक्षा के स्तर को बढ़ावा देने के लिए समर्पित होते हैं। इन विद्यालयों की प्रशासनिक और शैक्षिक नीतियों का निर्धारण संगठन के बोर्ड या प्रबंधन समिति द्वारा किया जाता है। गैर–सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की संख्या और शैक्षणिक संसाधनों की उपलब्धता अक्सर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों के मुकाबले कम होती है। हालांकि, कुछ गैर–सरकारी विद्यालय विशेष शैक्षणिक या विद्यार्थी संबंधित क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्रदान करते हैं।

5.3 विद्यार्थी :–

विद्यार्थी एक व्यक्ति होता है जो शिक्षा प्राप्त करने के लिए स्कूल, कॉलेज, या अन्य शैक्षिक संस्थान में पढ़ाई करता है। विद्यार्थी किसी उम्र या शैक्षिक स्तर के हो सकते हैं, जैसे कि छोटे बच्च

Author Name: Dr. Meena Sharma and Anjana Gangwar
Received Date: 18.07.2024
Publication Date: 31.07.2024

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* Vol.02, No.12, July, 2024
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

स्कूल जाते हैं, विद्यार्थियों को कॉलेज जाने का अवसर मिलता है, और फिर उच्च शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय जाते हैं। विद्यार्थी अपने शैक्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए पढ़ाई करते हैं और ज्ञान अर्जित करते हैं।

5.4 पारिवारिक वातावरण :—

पारिवारिक वातावरण से तात्पर्य उन सारी घटनाओं, अनुभवों, संवेदनाओं और संबंधों से है जो किसी व्यक्ति या समूह के विचारों, भावनाओं, आदतों, और संबंधों को परिभाषित करते हैं, जो उनके परिवार में विकसित होते हैं। यह एक सामाजिक, मानसिक, और भावनात्मक परिप्रेक्ष्य से समझा जाता है जो व्यक्ति की व्यक्तिगतता और भावनाओं को प्रभावित करता है। पारिवारिक वातावरण व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि यह उनके विकास और संघर्षों पर प्रभाव डालता है। यह वातावरण विभिन्न दायित्वों, भावनाओं, और मान्यताओं की विकास की मूल नींव है जो व्यक्ति के अनुभवों और विचारों को निर्धारित करती हैं। इस वातावरण में व्यक्ति के परिवार के सदस्यों, उनके भावनात्मक संबंधों, संगठन, संस्कृति, नियम, मान्यताएं, विचार—विमर्श, और विभिन्न प्रकार के संवादों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यहाँ तक कि इसमें घरेलू माहौल, सामाजिक नियम, वित्तीय स्थितियाँ, और सामाजिक संबंधों की दृष्टि से भी शामिल होता है। इस पारिवारिक वातावरण में, व्यक्ति अपनी पहचान बनाता है, आत्म—विश्वास विकसित करता है, और सामाजिक अनुकूलन सिखता है। यहाँ परिवार के सदस्यों के बीच संवाद, समर्थन, स्नेह, और लव मानवीय संबंधों का महत्व होता है जो व्यक्ति को उनके भविष्य में आगे बढ़ने में मदद करते हैं। सम्गठन, समाजिक संबंध, विश्वास और सम्मान, सामाजिक नियम और अनुशासन, विविधता, सहानुभूति, और समर्थन पारिवारिक वातावरण के महत्वपूर्ण घटक होते हैं। इन तत्वों के संयोजन से एक स्थिर, समर्थनशील, और सुखद पारिवारिक वातावरण बनता है जो व्यक्ति की व्यक्तिगत और पेशेवर वृद्धि में मदद करता है। पारिवारिक वातावरण में स्नेह, अनुशासन, पोषण, सुरक्षा, समय पालन, माता—पिता का मार्गदर्शन, उपलब्धि आकांक्षा, शैक्षिक आवश्यकता की पूर्ति, पुरस्कार एवं दंड, आवश्यकताओं की पूर्ति, अभिप्रेरणा, परस्पर अनुक्रिया, लगाव, बच्चों के साथ सहभागिता, शारीरिक एवं मानसिक विकास के अवसरों की उपलब्धता, खेल एवं सामाजिक साहचर्य के अवसर, आर्थिक

Author Name: Dr. Meena Sharma and Anjana Gangwar
Received Date: 18.07.2024
Publication Date: 31.07.2024

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* Vol.02, No.12, July, 2024
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

संसाधनों की प्राप्ति आदि विशेषताओं को सम्मिलित किया जाता है। परिवार ही बच्चे की प्रथम पाठशाला है। जीवनोपयोगी और अनौपचारिक शिक्षा बच्चा अपने परिवार से ही प्राप्त करता है।

6. अध्ययन के उद्देश्य :–

1. सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों के पारिवारिक वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन।
2. सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन।

7. अध्ययन की परिकल्पनाऐं :–

1. सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों के पारिवारिक वातावरण में सार्थक अन्तर नहीं है।
2. सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं के पारिवारिक वातावरण में सार्थक अन्तर नहीं है।

8. आंकड़ों संग्रहण के उपकरण :–

प्रस्तुत लघु शोध हेतु आंकड़ों के संकलन के लिए सरकारी तथा गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया हैं।

9. न्यादर्श :–

वर्तमान लघु शोध हेतु 100 सरकारी एवं 100 गैर सरकारी विद्यार्थियों को शामिल किया गया है।

10.उपकरण :–

पारिवारिक वातावरण मापनी – डा0 करुणा शंकर मिश्रा द्वारा निर्मित प्रश्नावली।

Author Name: Dr. Meena Sharma and Anjana Gangwar
Received Date: 18.07.2024
Publication Date: 31.07.2024

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* **Vol.02, No.12, July, 2024**
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

11.परिकल्पनाओं का विश्लेषण एवं व्याख्या :–

तालिका संख्या – 1

सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों के पारिवारिक वातावरण का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

छात्र	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
सरकारी	100	55.66	13.32	1.27	***
गैर सरकारी	100	53.24	13.56		

0.01*सार्थक 0.05**सार्थक, ***सार्थक नहीं

व्याख्या :– तालिका संख्या 1 में सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों के पारिवारिक वातावरण को दर्शाया गया है। तालिका में सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों का मध्यमान, मानक विचलन 55.66 एवं 13.32 प्राप्त हुआ है जबकि गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 53.24 एवं 13.56 प्राप्त हुआ है। दोनो समूहों के मध्य क्रन्तिक अनुपात का मान 1.27 प्राप्त हुआ है। प्राप्त क्रान्तिक अनुपात सार्थकता के दोनों स्तर (0.01 एवं 0.05) से कम है। कम सार्थकता स्तर दोनों समूहों के मध्य सार्थक अन्तर को स्पष्ट नहीं करता है। इससे सिद्ध होता है कि सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों के पारिवारिक वातावरण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या – 2

सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

Author Name: Dr. Meena Sharma and Anjana Gangwar
Received Date: 18.07.2024
Publication Date: 31.07.2024

Knowledgeable Research ISSN 2583-6633 Vol.02, No.12, July, 2024
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

छात्राऐं	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
सरकारी	100	53.85	12.51	1.5	***
गैर सरकारी	100	51.17	12.71		

0.01*सार्थक 0.05**सार्थक, ***सार्थक नहीं

व्याख्या :– तालिका संख्या 2 में सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं के पारिवारिक वातावरण को दर्शाया गया है। तालिका में सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं का मध्यमान, मानक विचलन 53.85 एवं 12.51 प्राप्त हुआ है जबकि गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 51.17 एवं 12.71 प्राप्त हुआ है। दोनो समूहों के मध्य क्रन्तिक अनुपात का मान 1.5 प्राप्त हुआ है। प्राप्त क्रान्तिक अनुपात सार्थकता के दोनों स्तर (0.01 एवं 0.05) से कम है। कम सार्थकता स्तर दोनों समूहों के मध्य सार्थक अन्तर को स्पष्ट नहीं करता है। इससे सिद्ध होता है कि सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं के पारिवारिक वातावरण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

12.निष्कर्ष :–

1. सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों के पारिवारिक वातावरण में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
2. सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं के पारिवारिक वातावरण में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

13.सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

Author Name: Dr. Meena Sharma and Anjana Gangwar
Received Date: 18.07.2024
Publication Date: 31.07.2024

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* **Vol.02, No.12, July, 2024**
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

- Maheshwari, S. K., Chaturvedi, R. and Gupta, S. (2020). Impact of family environment on mental well being of adolescent girls : A cross sectional survey. Indian Journal of Psychiatric Nursing, 17 (1), 24-28.
- आसमा खातून (2021) : पारिवारिक पर्यावरण और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध, शोध पत्र, xIlkogretim Online - Elementary Education Online,2021; Vol 20 (Issue 1): pp.3202-3207 http://ilkogretim-online.org doi: 10.17051/ilkonline.2021.01.360
- समीता (2021) : माध्यमिक विद्यालय के छात्रों पर पारिवारिक पर्यावरण के प्रभाव पर एक अध्ययन, शोध पत्र, International Journal of Research Publication and Reviews Vol (2) Issue (9) (2021) Page 985-989
- वेनलॉन्ग झाओ (2022) : किशोरों की शैक्षणिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण का प्रभाव : सहकर्मी बातचीत की गुणवत्ता और शैक्षिक अपेक्षा अंतर की भूमिका, शोध पत्र, Volume 13 - 2022 https://doi.org/10.3389/fpsyg.2022.911959
- जेबा खान (2023) : किशोरों का पारिवारिक पर्यावरण और आत्मसम्मानरू एक सहसंबंधी अध्ययन, शोध पत्र, The International Journal of Indian Psychology ISSN 2348-5396 (Online) | ISSN: 2349-3429 (Print) Volume 11, Issue 2, April- June, 2023

Author Name: Dr. Meena Sharma and Anjana Gangwar
Received Date: 18.07.2024
Publication Date: 31.07.2024